जन-जन के कलाम

डॉ. नवनीत कुमार गुप्ता

हमारे देश में अनेक महान वैज्ञानिक हुए हैं जिनमें आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे, सर सीवी रामन, जेसी बोस, बीरबल साहनी, होमी जहांगीर भाभा, विक्रम साराभाई, शांतिस्वरूप भटनागर, मेघनाद साहा आदि के नाम शामिल हैं। ऐसे ही महान वैज्ञानिकों में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शामिल हैं लेकिन उनका व्यक्तित्व इस मायने में बिलकुल भिन्न हैं कि उन्होंने विज्ञान को जन-जन से जोड़ने का प्रयत्न किया। डॉ. कलाम के व्यक्तित्व ने विज्ञान, साहित्य, कला और खेल जगत सभी क्षेत्रों के लोगों को आकर्षित और प्रेरित किया। इसीलिए उन्हें जनता का राष्ट्रपति भी कहा जाता था।

डॉ. कलाम चाहे मिसाइल मैन के नाम से प्रसिद्ध रहे लेकिन राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने अहिंसा के संदेश को प्रसारित किया।

डॉ. कलाम विद्यार्थियों के बीच बहुत लोकप्रिय रहे। डॉ. कलाम जीवन भर विद्यार्थियों को प्रेरित करते रहे। जीवन के अंतिम क्षण यानी 27 जुलाई 2015 की शाम को भी डॉ. कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिलांग में व्याख्यान दे रहे थे। यह बात हमें सदैव प्रेरित करती रहेगी कि डॉ. कलाम अपने पूरे जीवन हर क्षण कार्यशील रहे।

15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में उनका जन्म हुआ था। अभावग्रस्त बचपन को स्वालंबन की ताकत से पार करते हुए डॉ. कलाम के प्रेरक कृतित्व और व्यक्तित्व ने पूरे देश के सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया। उनसे इस देश के हज़ारों विद्यार्थी प्रेरित हुए और आगे भी यह सिलसिला चलता रहेगा। डॉ. कलाम का जीवन ऐसा अनुभवग्रंथ है जिसके प्रत्येक शब्द में जीवन को निखारने की शक्ति छुपी है।

लाखों लोगों के मानस में डॉ. कलाम के जीवन से जुड़े

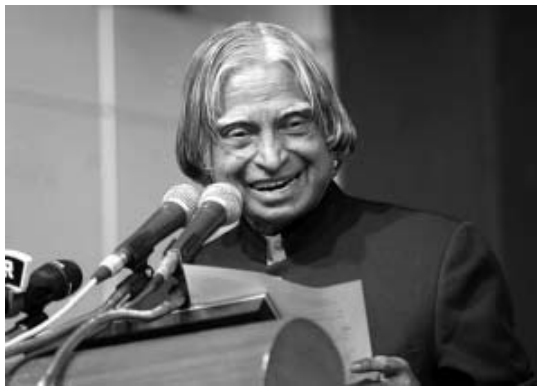

संस्मरण रचे-बसे हैं। अनेक व्याख्यानों, संगोष्ठियों, चर्चाओं में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. कलाम ने जीवन के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डालते हुए हमेशा मानवता पर बल दिया। वह सदैव अपने को एक शिक्षक मानते रहे।

उनके व्यक्तित्व की विशेष बात यह भी थी कि उनके चेहरे पर सदैव मुस्कराहट बनी रहती थी। चाहे वह राष्ट्रपति के पद पर रहे हों या किसी शैक्षिक संस्थान में व्याख्यान दे रहे हों सदैव उनकी मनस्थिति एक-सी रहती थी। सौम्यता, सरलता, सादगी उनके जीवन के अभिन्न अंग थे। उन्होंने अनेक बार वैज्ञानिक संस्थानों में व्याख्यान देते हुए विज्ञान को मानवता की सेवा का एक माध्यम बताया। उन्होंने पृथ्वी ग्रह को सुंदर और स्वच्छ बनाए रखने पर भी ज़ोर दिया।

डॉ. कलाम सदैव वैज्ञानिक सोच के प्रसार की बात करते थे। उनके अनुसार वैज्ञानिक दृष्टिकोण के द्वारा अनेक समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। विज्ञान को जनमानस, विशेषकर बच्चों के बीच लोकप्रिय करने में डॉ. कलाम का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है। ऐसे महान व्यक्तित्व के निधन पर पूरा देश श्रद्धांजलि दे रहा है। हालांकि उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यह होगी कि हम उनके विचारों को जीवन में अपनाएं जिससे हमारा जीवन भी सफल होगा और हम अपने देश को भी विकास के पथ पर अग्रसर करते रहेंगे। ***(स्रोत फीचर्स)***